बालमन

Powered by Teachers of Bihar

प्रधान संपादक :- धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "**बाल मन कैमूर**" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "**बाल मन कैमूर**" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

जीवन में यदि आपको सफल होना है तो भीड़ से अलग हटकर अपनी एक नई पहचान बनाए और अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर गतिशील रहे।आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं,राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी को पसंद आ रही है।

बच्चो ! गर्मी के इस मौसम में आप खुद को बचा कर रखे। पानी और तरल पदार्थ का सेवन करे और गर्म हवा और लू से बच कर रहे। के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक पहुंचाए।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)
मो . 9431680675

TEACHERS OF BIHAR
बालमन

सहयोगी सदस्य

माह : दिसम्बर

बालमन चांद प्रधान संपादक : प्रमोद कुमार "निराला"
(कन्या मध्य विद्यालय चांद)

बालमन कुदरा प्रधान संपादक : कमलेश कुमार
(U.H.S. हरदासपुर , कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर: राजेश कुमार सिंह , प्रतिभा पांडेय
(महाबल भृंगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगांवा बहेरा ,भभुआ)

दर्शनीय स्थल सह रोचक गणित : कुमार राकेश मणि
(UHS कोटा, नुआंव)

शिक्षण अधिगम सामग्री : अवधेश राम
(UMS बहुआरा, भभुआ)

Teachers of Bihar

अनमोल विचार

बालमन

अपनी जिंदगी में सभी को अहमियत दो जो
अच्छे होंगे खुशी देंगे जो बुरे होंगे वो सबक देंगे।

एपीजे अब्दुल कलाम

राकेश कुमार

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

• सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हसीं दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्र धनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

मई 2024

नाथालाल सेठ

एक गांव में एक सेठ रहेता था ।उसका नाम था नाथालाल सेठ।वो जब भी गाँव के बाज़ार से निकलता था तब लोग उसे नमस्ते या सलाम करते थे ! वो उसके जवाब में मुस्कुरा कर अपना सिर हिला देता था और बहुत धीरे से बोलता था की- "घर जाकर बोल दूंगा"

एक बार किसी परिचित व्यक्ति ने सेठ को ये बोलते हुये सुन लिया तो उसने कुतूहल वश सेठ को पूछ लिया कि- सेठजी आप ऐसा क्यों बोलते हो कि घर जाकर बोल दूंगा ?? तब सेठ ने उस व्यक्ति को कहा- में पहले धनवान नहीं था उस समय लोग मुझे 'नाथू' कहकर बुलाते थे और आज के समय में धनवान हूँ तो लोग मुझे 'नाथालाल सेठ' कहकर बुलाते है । ये इज्जत मुझे नहीं, 'धन' को दे रहे है । इस लिए मैं रोज़ घर जाकर तिज़ोरी खोल कर लक्ष्मीजी (धन) को ये बता देता हूँ कि आज तुमको कितने लोगो ने नमस्ते या सलाम किया ! इससे मेरे मन में 'अभिमान' या 'गलतफहमी' नहीं आती।

सोशल मीडिया से

पद्य पंकज

"

मिट्टी का गहरा अंधकार,
डूबा है उसमें एक बीज।
वह खो न गया, मिट्टी न बना
कोदों, सरसों से क्षुद्र बीज।
उस छोटे उर में छिपे हुए,
है डाल-पात औ' स्कन्द-मूल।
गहरी हरीतिमा की संसृति
बहु रुप-रंग,फल और फूल।

सुमित्रा नंदन पंत

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका ज्ञानवर्धक,रोचक और आकर्षक है। मेरे स्कूल के बच्चे बालमन पत्रिका में अपनी फोटो देख कर बहुत ही खुश होते है उनके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान होती है और ये मुस्कान ToB बालमन टीम की मेहनत का फल है ।

नीतू शाही (शिक्षिका)
वर्ष 2023 मे राजकीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित
प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ
पटना (बिहार)

ToB बालमन पत्रिका मुझे बहुत अच्छी लगती हैं।मेरे स्कूल की मैम जब मुझे बालमन पत्रिका में मेरा फोटो छपा हुआ दिखाती है तो मुझे बहुत खुशी होती है और मैं हमेशा बालमन पत्रिका में अपनी तस्वीर देखना चाहूंगी । इसके लिए मैं अब से ज्यादा मेहनत करूंगी । थैंक यू बालमन।

नैना कुमारी(छात्रा)
वर्ग-4
प्रा0 वि0 प्रखंड कॉलोनी फुलवारी शरीफ
पटना(बिहार)

ToB बालमन अंतर खोजे

30 सेकंड में 5 अंतर खोजे

अमरेन्द्र कुमार

विश्व के धरोहर

भीमबेटका शैलाश्रय

भीमबेटका (भीमबैठका) भारत के मध्य प्रदेश प्रान्त के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। यह आदि-मानव द्वारा बनाये गए शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिए प्रसिद्ध है। इन चित्रों को पुरापाषाण काल से मध्यपाषाण काल के समय का माना जाता है। ये चित्र भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न हैं। यह स्थल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से ४५ किमी दक्षिणपूर्व में स्थित है। इनकी खोज वर्ष १९५७-१९५८ में डॉक्टर विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी।

भीमबेटका क्षेत्र को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भोपाल मंडल ने अगस्त १९९० में राष्ट्रीय महत्त्व का स्थल घोषित किया। इसके बाद जुलाई २००३ में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।

अफ्रीका के गर्म इलाकों में एक पेड़ पाया जाता है जिसका नाम **"समानी समन"** है। इस पेड़ की खासियत यह है कि यह पेड़ दिन के समय अपनी फलियों में पानी भर लेता है। फिर यही पानी वर्षा के रूप में धरती पर गिराता है। वहां के लोगों के लिए पानी का एक मात्र स्रोत होता हैं। वहां के लोग इस पेड़ को **वर्षा** वाला पेड़ भी कहते हैं।

ToB बालमन कलाकार

भाग - 1

शिवानी कुमारी,वर्ग 7
मध्य विद्यालय पाढ़ी, चांद
कैमूर

Up. B .M.C.M.S.HATTA,
CHAINPUR (KAIMUR)

प्राथमिक विद्यालय फुलवारीशरीफ
पटना

संतोष कुमार
सरौनी कला
मधेपुरा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय
सिलौटा, भभुआ (कैमूर)

ToB बालमन कलाकार भाग 2

UHS BHARARI, CHAND, KAIMUR sapna Kumari+Anisha kumari

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

Gulnaj bano
Class 4
Up.B.M.C.U.M.S.H
ATTA,chainpur,
kaimur

Sapna Kumari Class-7
Bharari, kaimur

UMS सोनाव की खुशी कुमारी वर्ग 8 के द्वारा बनाया गया भारत का नक्शा

ToB बालमन कलाकार
भाग 3

CLASS 3 se Renu kumari Up B M C URDU M S HATTA,chainpur

priyanka kumari class 8 m s parhi, Chand, kaimur

Sakshi kumari m s parhi, Chand

Pen stand... By Vibha kumari R. B. S. Ailay chand

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 4

पायल कुमारी, वर्ग 4
मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ, कैमूर

नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कमती,भभुआ
कैमूर

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, कुचायकोट, गोपालगंज

ToB बालमन कलाकार भाग 5

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

1 मई

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस 1 मई

एक मई का दिन दुनिया के कई देशों में अंतर्राष्ट्रीय दिवस के तौर पर मनाया जाता है। ये दिन दुनिया के मजदूरों और श्रमिक वर्ग को समर्पित है। इन दिन को लेबर डे, मई दिवस, और मजदूर दिवस भी कहा जाता है। आज मजदूरों की उपलब्धियों को और देश के विकास में उनके योगदान को सलाम करने का दिन है। ये दिन मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में मनाया जाता है। इस दिन दुनिया के कई देशों में छुट्टी होती है। इस मौके पर मजदूर संगठनों से जुड़े लोग रैली व सभाओं का आयोजन करते हैं। और अपने अधिकारों के लिए आवाज भी बुलंद करते हैं।अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर दिवस या एक मई को मजदूर दिवस मनाने की शुरूआत 1 मई 1886 से मानी जाती है ,जब अमेरिका की मज़दूर यूनियनों नें काम का समय 8 घंटे से ज़्यादा न रखे जाने के लिए हड़ताल की थी। इस हड़ताल के दौरान शिकागो के एक मार्केट में बम धमाका हुआ था। यह बम किस ने फेंका किसी का कोई पता नहीं। इसके निष्कर्ष के तौर पर पुलिस ने मज़दूरों पर गोली चला दी और सात मज़दूर मार दिए। मौजूदा समय भारत और अन्य मुल्कों में मज़दूरों के 8 घंटे काम करने से संबंधित क़ानून लागू है।

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Wednesday

01 मई

1. **अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस–** अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस या मई दिवस मनाने की शुरूआत 1886 ई. में अमेरिका से हुई थी। उन दिनों अमेरिका की मजदूर यूनियनों ने काम का समय 8 घंटे से ज्यादा न रखने के लिए हड़ताल की थी। इस दौरान पुलिस तथा मजदूरों के बीच गोलीबारी में सात मजदूर मारे गये। अंततः अमेरिकी सरकार ने मजदूरों की मांग को स्वीकार किया। 1923 ई. से भारत में मई दिवस मनाने की शुरूआत चेन्नई से हुई।
   - **संदर्भः** कक्षा आठ के हिन्दी की पाठ्यपुस्तक **किसलय भाग 3 के अध्याय 17** 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता के साथ जोड़कर चर्चा करें।
2. **रामकृष्ण मिशन की स्थापना–** 1 मई, 1897 ई. को स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना अपने गुरू रामकृष्ण परमहंस की स्मृति में कलकत्ता के पास बारानगर (बेलूर) में की थी। इस मिशन के सिद्धान्तों का आधार वेदान्त दर्शन रहा।
   - **संदर्भः** कक्षा आठ के इतिहास की पाठ्यपुस्तक **अतीत से वर्तमान भाग 3 के अध्याय 9,** 'स्वामी विवेकानन्द से जोड़कर चर्चा करें।
3. **महाराष्ट्र एवं गुजरात दिवस–** भारत के आजादी मिलने के बाद तक बम्बई प्रांत में महाराष्ट्र एवं गुजरात सम्मिलित थे। वर्ष 1960 में बम्बई पुनर्गठन अधिनियम के द्वारा 1 मई, 1960 ई. को महाराष्ट्र एवं गुजरात नामक दो राज्य बनाया गया। बम्बई को नवोदित राज्य महाराष्ट्र की राजधानी बनायी गयी। 1955 ई. में बम्बई का नाम बदल कर मुम्बई कर दिया गया। महाराष्ट्र का अर्थ होता है 'महान भूमि' अथवा 'बड़ा प्रदेश'। आज का महाराष्ट्र शब्द राष्ट्रकूटों की ही देन है। राष्ट्र के साथ महा लगाकर उन्होंने अपने क्षेत्र को 'महाराष्ट्र' बना दिया था। सन् 1327 में मुहम्मद बिन तुगलक ने भारत की राजधानी इसी प्रदेश में देवगिरि उठाकर ले गया था और उसका नाम दौलताबाद रखा था। 1534 ई. में महाराष्ट्र की राजधानी बंबई पर पुर्तगालियों का कब्जा हो गया था।

   जबकि गुजरात शब्द 'गुर्जर' से बना है, जिसका अर्थ है– गुर्जरों से रक्षित भूमि। गुजरात में ही सिन्धु घाटी सभ्यता का महत्वपूर्ण केन्द्र लोथल था। गुजरात पर क्रमशः मौर्य, गुप्त, प्रतिहार तथा उनके परवर्ती राजवंशों ने शासन किया, किन्तु सर्वाधिक प्रगति चालुक्य (सोलंकी) राजाओं के समय में हुई इसलिए इस काल को गुजरात के इतिहास का स्वर्णिम काल कहा जाता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी गुजरात का महत्वपूर्ण योगदान रहा, क्योंकि इस प्रदेश ने राष्ट्र को महात्मा गांधी और सरदार वल्लभ भई पटेल जैसे नेता दिये।

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

शरीर की सुनें कई बार हम एक रुटीन को फोलो करते हैं लेकिन हमारा शरीर उसे स्वीकार नहीं करता. इसलिए जरूरी है कि आप अपने शरीर की भी सुनें. अगर आपका शरीर रोज के रुटीन से अलग आराम चाहता है तो छुट्टी लेना भी उतना ही जरूरी है. आपको थकान महसूस हो तो उस दिन व्यायाम न करें. जब भूख लगे तभी खाना खाएं. लेकिन ऐसी अनियमितता को अपनी आदत न बनाएं.

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

मई 2024

1

कॉकरोच अपने छह पैरों से एक सेकंड में लगभग एक मीटर की दूरी तय कर लेता हैं।

2

दुनिया मे केवल 2% लोगो की आंखे हरी होती है।

3

मछलियों की यादाश्त केवल कुछ सेकंड के लिए होती हैं ।

4

लोकसभ 2024 चुनाव में शेखपुरा विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 68 पर नवविवाहित जोड़े ने शादी के मंडप से सीधे आकर मतदान किया।

5

शुतुरमुर्ग की आंख उसके मस्तिष्क से बड़ी होती है।

स्रोत: सोशल मीडिया

ToB बालमन

मई 2024

जरा मुस्कुरा भी दीजिए....

गोलू- रात भर मुझे नींद नहीं आई...!

भोलू- क्यों..?

गोलू :- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं...!

....

गोनू मोबइल कंपनी में इंटरव्यू देने गया पहले सवाल पर ही उसे भगा दिया गया...

सवाल- सबसे मशहूर नेटवर्क कौन सा है?

गोनू- कार्टून नेटवर्क।

ToB बालमन जानकारी

मई 2024

गर्म स्थानीय पवन (Warm Local Winds)

लू (Loo):-

उत्तरी भारत में गर्मियों में उत्तर-पूर्व तथा पश्चिम से पूरब दिशा में चलने वाली धुलभरी, प्रचण्ड उष्ण तथा शुष्क हवाओं को लू कहतें हैं। यह हवा मई तथा जून में चलती हैं।

चिनुक (Chinook): -

यह प्रेयरी के मैदान में चलती है। इसके आने से बर्फ पिघल जाता है। अतः इसे हिमभक्षी कहते है। यह चारागाह के लिए अच्छी है। यह रॉकी पर्वत के पूर्वी ढ़ाल पर प्रभावित होती है।

फॉन (Foehn):-

यह स्वीटजरलैंड में आल्पस पर्वत पर चलती है। इसके आने से अंगूर पक जाता है।

सिरोको (Siroco):-

यह सहारा मरूस्थल से उत्तर की ओर चलती है तथा भूमध्य सागर से नमी (आर्द्रता) ग्रहण कर लेती है। इसमें बालू पहले से उपस्थित रहता है। जिस कारण इससे होने वाली वर्षा लाल रंग की दिखती है। जिस कारण इसे रक्त वर्षा कहते हैं।

हरमट्टन (Harmattan):-

यह गिनी देश में पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है इसके आने से ठण्ड खत्म हो जाता है जिस कारण इसे डॉक्टर पवन कहते हैं।

धीरज कुमार (शिक्षक)
UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर, बिहार

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

मां

12 मई

हर इंसान की जिंदगी में वो खास होती है,दूर होकर भी दिल के पास होती है।
जिसके सामने मौत भी सर झुका लेती है,वो और कोई नही बस मां होती है।

हैप्पी मदर्स डे

Madhu priya

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 1

राधेश्याम कुमार, पूर्णिया

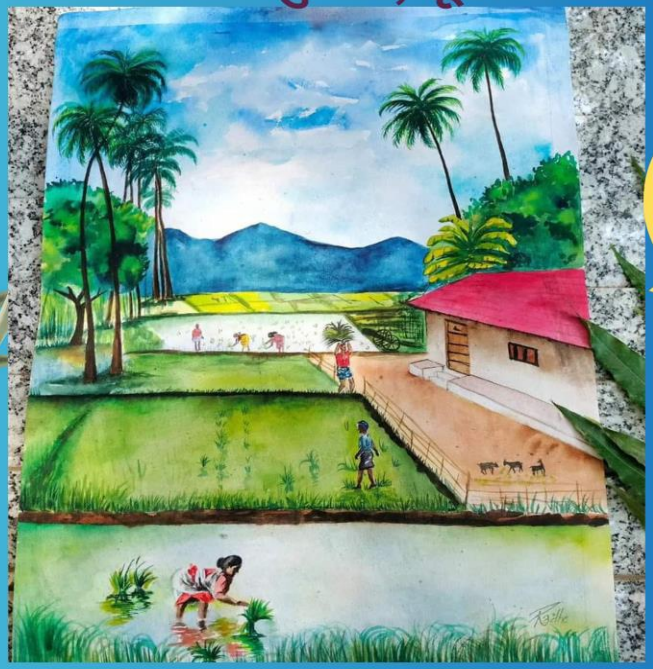

कान्हा महेश्वरी, वाराणसी
(उत्तर प्रदेश)

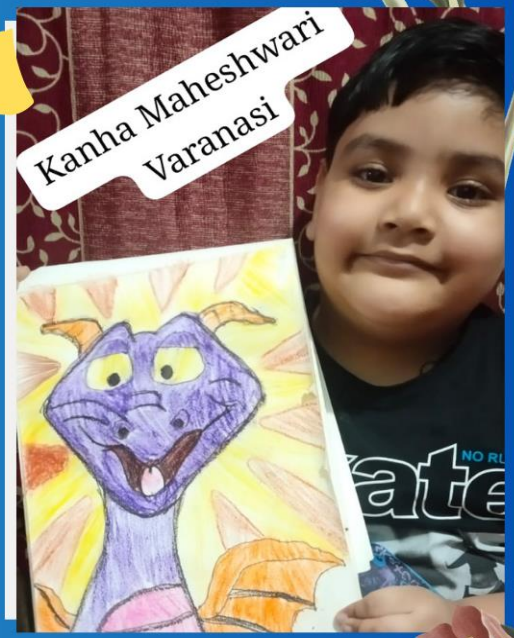

सर्वज्ञ निगम , वाराणसी (U.P.)

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 2

बालमन

आपके पेंटिंग

संतोष कुमार, सरौनी कला, मधेपुरा

साक्षी कुमारी , मध्य विद्यालय पाढ़ी, चांद, कैमूर

गोलू कुमार ,वर्ग 7 (गोपालगंज)

आकृति कुमारी
वर्ग 8
UMS अर्रा , मोहनियां (कैमूर)

हैकाक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय
लहेरियासराय(दरभंगा)

ToB बालमन कलाकार

भाग 3

प्रज्ञा पुष्पम वर्ग 06
मध्य विद्यालय हनुमान नगर,बेलदौर
खगड़िया

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी
प्रखंड-बरौली
जिला-गोपालगंज

Chandani kumari
Class 8 Ailay
Chand, kaimur

मध्य विद्यालय सकरी
कुदरा
कैमूर

UHS मुशिया नुवांव, कैमूर

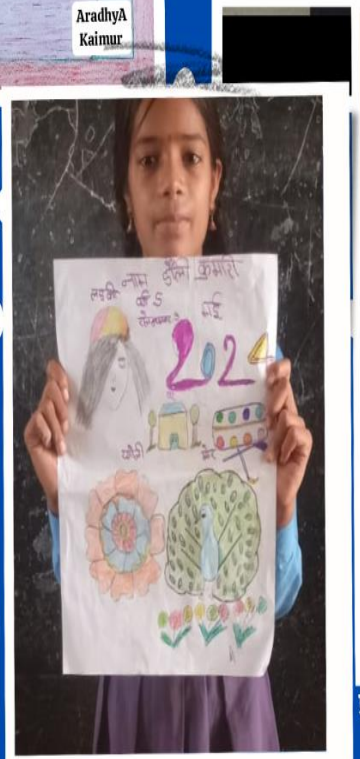

प्राथमिक विद्यालय जगरिया, चैनपुर
कैमूर

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 4

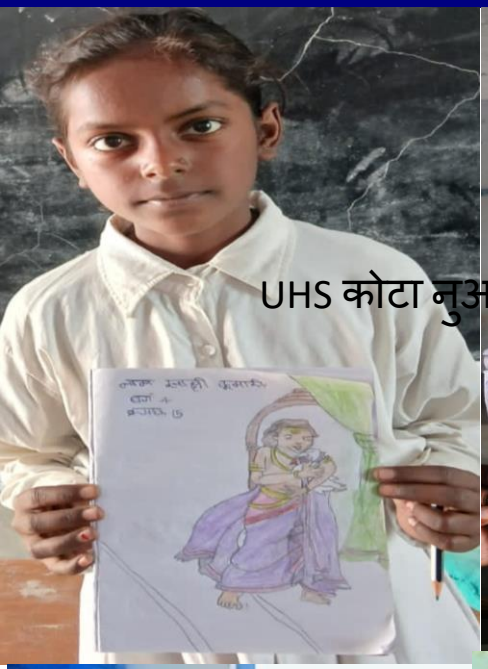

UHS कोटा नुआंव, कैमूर

मध्य विद्यालय भेकास, भभुआ।

गोल्डी कुमारी वर्ग 6
म.वि.घटेयां,कुदरा,कैमूर

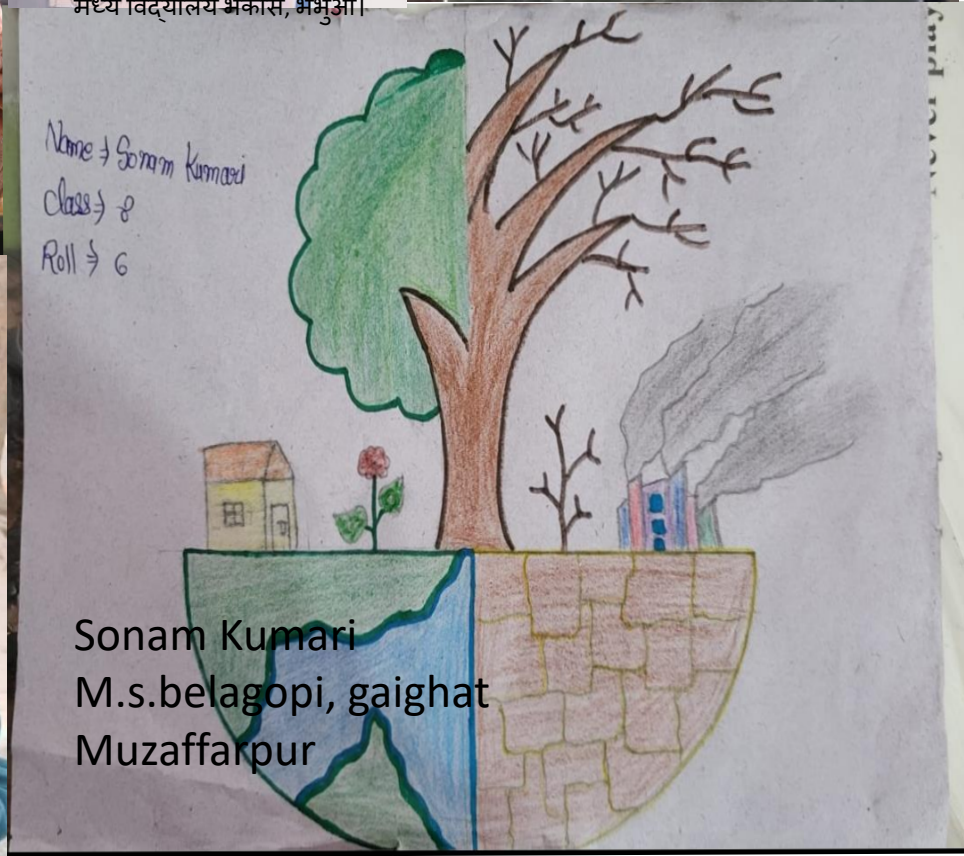

Sonam Kumari
M.s.belagopi, gaighat
Muzaffarpur

NPS KAJHAR GHAT KUDRA

P.s.panchgawan, kaimur
Class 4

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 5

अरिबानूर ,
वर्ग - 7 .

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, प्रखंड-बरौली
जिला-गोपालगंज

UMS दुघरा, भभुआ

रूपा कुमारी ,वर्ग 7
UMS सरौनी कला,
मधेपुरा

संस्कृत मध्य विद्यालय चैनपुर,
कैमूर

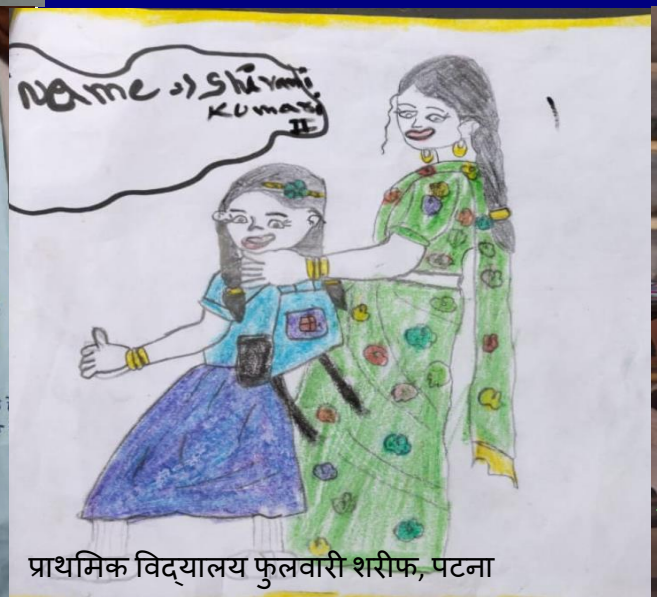

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

साक्षी कुमारी
Ums jhitkahiyan rampur
Block+ dist vaishali

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 6

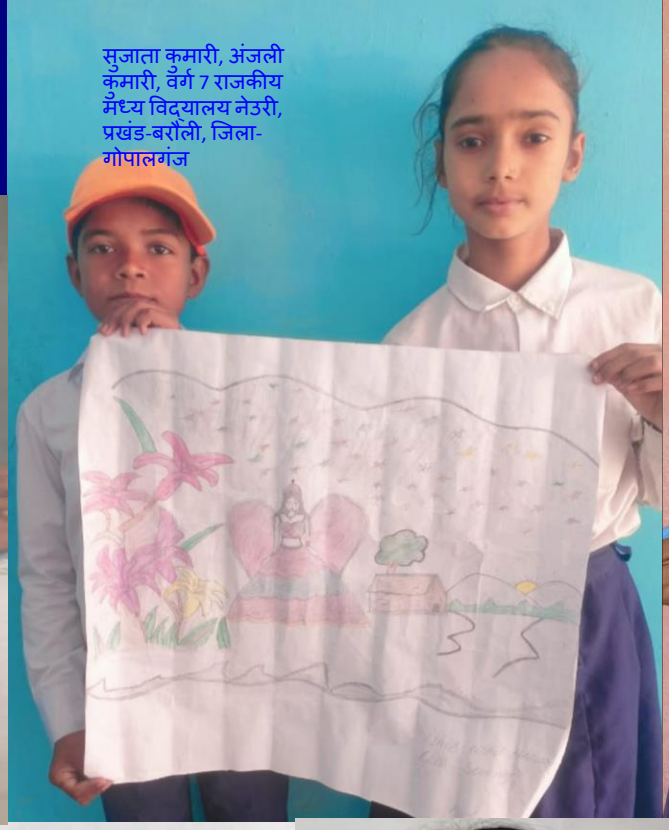

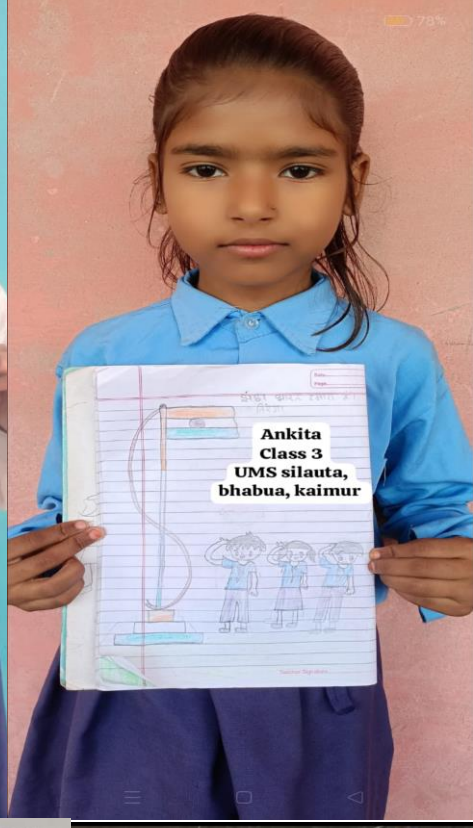

मेहंदी प्रतियोगिता से मतदाता जागरूकता

TOB बूझो तो जानें..

संजय कुमार

बालमन

मई 2024

1

देहरादून निकट है नीचे,
अधिक नही है दूरी।
पर्वत की रानी कहलाती,
आदि कटे तो बन जाऊ सूरी।

2

हूं मैं एक ड्राइवर,
लेकिन नहीं है कोई लाइसेंस ।
गोल गोल घुमाता हूं।
लगाओ अपना सेंस।

3

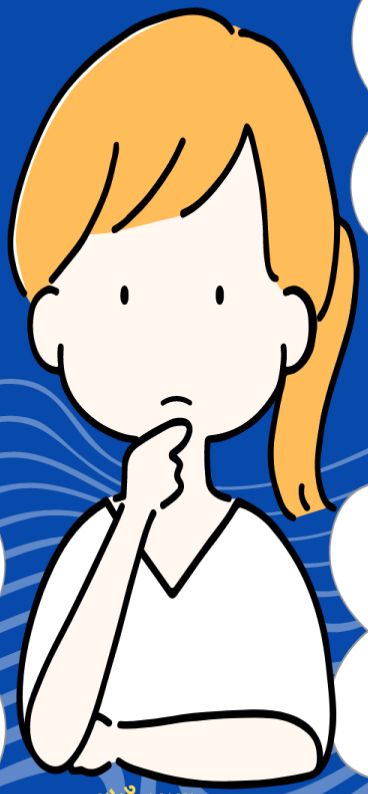

रख लो चाहे फ्रीज में,
रहता हूं फिर भी गरम ।
दिमाग लगा कर पहचान लो,
दूर हो जायेगा भ्रम।

4

कहने को तो चूल्हा हूं,
पर अलग है मेरा रूप।
ना तेल,गैस और लकड़ी मांगू,
मुझे चाहिए धूप।

उत्तर 1- मसूरी, 2- स्क्रू ड्राइवर, 3- गरम मसाला 4-
सोलर कुकर

ToB बालमन लघुकथा

मई 2024

मैं ही देश हूं

शहर कई दिनों से अशांत है। लोगों में नफ़रत और भय का माहौल है।कल तक जो लोग आपस में गले मिला करते थे, आज एक दूसरे की गर्दन काटने के फिराक में हैं।

पहले एक शहर हुआ करता था, परन्तु फ़साद ने चार हिस्सों में बांटकर इसे अपनी-अपनी सीमाओं में लामबंद कर दिया है। शहर का वह चौराहा, जहां सभी पंथ के लोगों की नित्य चौकड़ियाँ जमा करती थीं, वीरान पड़ा है।

बम और गोलियों की आवाजों के साथ रह-रहकर फ़साद की खबरें आ रही हैं। इसी बीच चौराहे पर एक बूढ़ा व्यक्ति आता है जिसके शरीर के कई हिस्सों पर गोलियों और बमों के घाव तथा चेहरे पर खून के छींटें हैं। वह रह रहकर फसाद रोकने की गुहार करता है, पर कोई पक्ष उसकी एक नहीं सुनता है।कुछ समय उपरांत बूढ़े की वीभत्स स्थिति देख एक पक्ष की थोड़ी संवेदना जगती है ।वे सहमते हुए पास जाते हैं। लेकिन बूढ़े को सिर पर ताकियाह,गले में क्रास,ललाट पर गोरोचन,गेरु कुरता,हाथ में कड़ा,जेब में कंघा,कमर के नीचे नुंगी के अलावा पैरों में वर्क बूट पहने देख उन्हें यह समझ में नहीं आता है कि यह व्यक्ति किस संप्रदाय का है ?

दूसरे, तीसरे और चौथे पंथ वाले भी बूढ़े के पास जाते तो हैं, परन्तु उसके बदन पर अपने पंथ से अधिक दूसरे वालों के परिधानों को देख बिना कोई मदद किए लौट आते है।

सभी के लौटते ही पुनः गोलियाँ और बम चलने लगते हैं जो आ आकर बूढ़े की देह को और लहूलुहान बना देते हैं । इससे पीड़ित होकर वह चीख-चीखकर बोलने लगता है - "अरे बन्दों देखो, ये खून, ये घाव, यह पीड़ा सब तुम्हारे दिए हुए हैं। तुम लोग जितना आपस में लड़ोगे, मैं उतना ही जख्मी और कमजोर होता जाऊंगा। तुम लोग आपसी भेद-नफ़रत त्याग कर मुझे पहचानो।जानते हो मैं कौन हूँ ? नहीं ••• तो सुनो।मैं ही देश हूँ। हाँ हाँ, तुम्हारा देश।"

बूढ़े की पहचान होते ही सभी एक साथ उसकी ओर दौड़ पड़ते हैं। अब उन्हें अपनी गलतियों का अहसास हो चुका था।

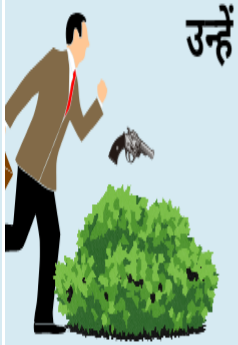

लेखक परिचय

संजीव प्रियदर्शी
(सहायक शिक्षक)
फिलिप उच्च माध्यमिक विद्यालय बरियारपुर, जिला- मुंगेर
(बिहार)

दिवस प्रेरणा

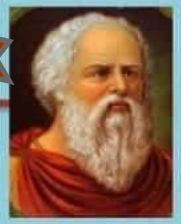

सुकरात

(यूनानी दार्शनिक)

विष पीकर जान गंवानी पड़ी ...

संघर्ष

सुकरात एथेंस के एक प्राचीन यूनानी दार्शनिक थे। वह देखने में ठिंगना कद का और असुंदर था। उसके पिता एक मूर्तिकार था और माँ दाई का काम करती थी। उसका जीवन बहुत ही सादा और गरीबी में बीता। युवावस्था में सेना में काम किया। सेना से रिटायर होने के बाद धनोपार्जन के कोई साधन न होने के कारण पत्नी से कलह होते रहता था। अपना समय लोगों से वार्तालाप और बहस में बिताता था। कुछ लोग उसकी तर्क और बहस से प्रभावित होने लगे। कुछ लोग उसकी लोकप्रियता से जलने लगे। सुकरात पर आरोप लगाया गया कि वे देवताओं की पूजा नहीं करते और नास्तिक हैं। साथ युवाओं को भड़काने और बरगलाने का काम करते हैं। उनपर देशद्रोह का मुकदमा चलाया गया। उन्हें विष पिलाकर मौत देने की सजा दी गई।

सफलता

एक कुशल तर्कशास्त्री के रूप में उसकी धाक उसके जीवनकाल में ही जम गई थी। सुकरात के मरने के बाद एथेन्स के निवासियों को अपनी भूल समझ आ गई। सुकरात को 'पाश्चात्य दर्शनशास्त्र का जन्मदाता' कहा जाता है। उन्होंने स्वयं कोई ग्रंथ नहीं लिखा, पर उनके शिष्यों ने उनके विचारों को पुस्तकों का रूप दिया है। उसके आधार पर सुकरात को सबसे कुशल तर्कशास्त्री और महान विचारकों में गिनती की जाती है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

ToB पर्यावरण अध्ययन

CLASS 4 EVS

हरियाली और हम

* पेड़-पौधे चाहे घर के आस-पास हो या जंगल में, हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं।
* पेड़-पौधों की वजह से हमारे वातावरण में चारों ओर हरियाली होती है।
* हरे भरे पेड़-पौधे, चहचहाते पक्षी वास्तव में हमें काफी खुशी देते हैं मानो कि यह हरियाली पर्यावरण को हरा-भरा कर देती है और हम सभी के चेहरे पर मुस्कान ला देती है।
* हम सभी को हरियाली बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाने चाहिए, वृक्षारोपण के अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए लोगों को जागरूक करना चाहिए कि हरियाली का महत्व काफी अधिक है।

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

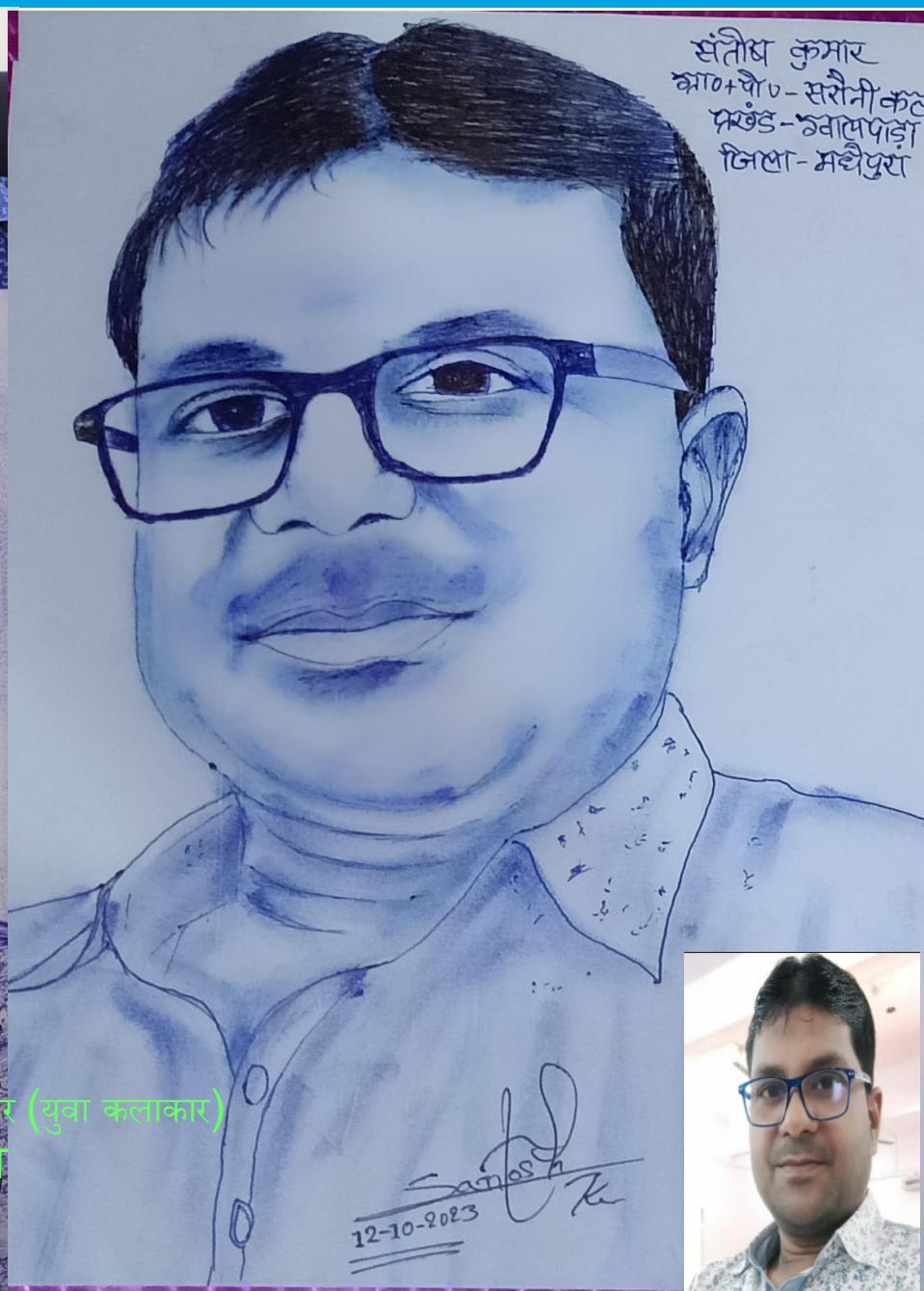

सौजन्य से : संतोष कुमार (युवा कलाकार)
मरौनी कला, मधेपुरा

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

मध्य विद्यालय अखलासपुर, भभुआ, कैमूर

UMS अर्रा, मोहनिया, कैमूर

आशीष सर (अररिया)के सौजन्य से

Anshu kumari
Class 5
M.S. Belagopi
Gaighat, Muzaffarpur

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 3

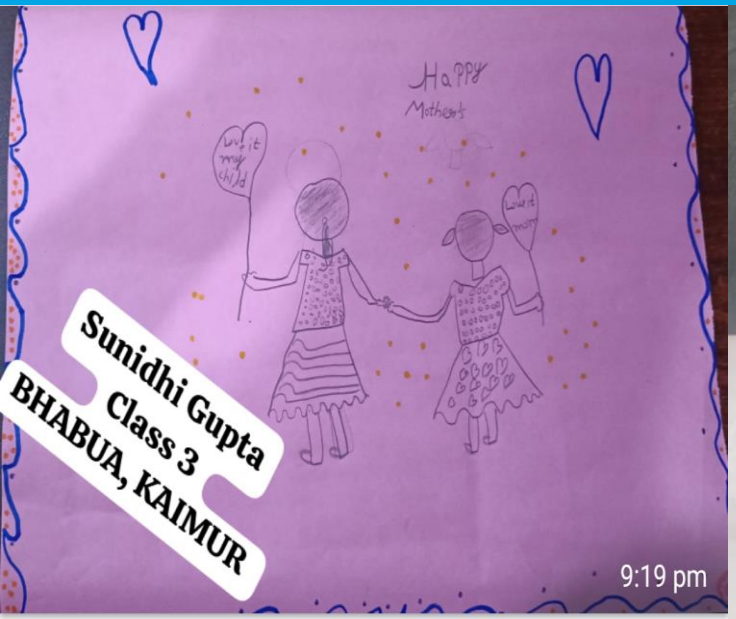

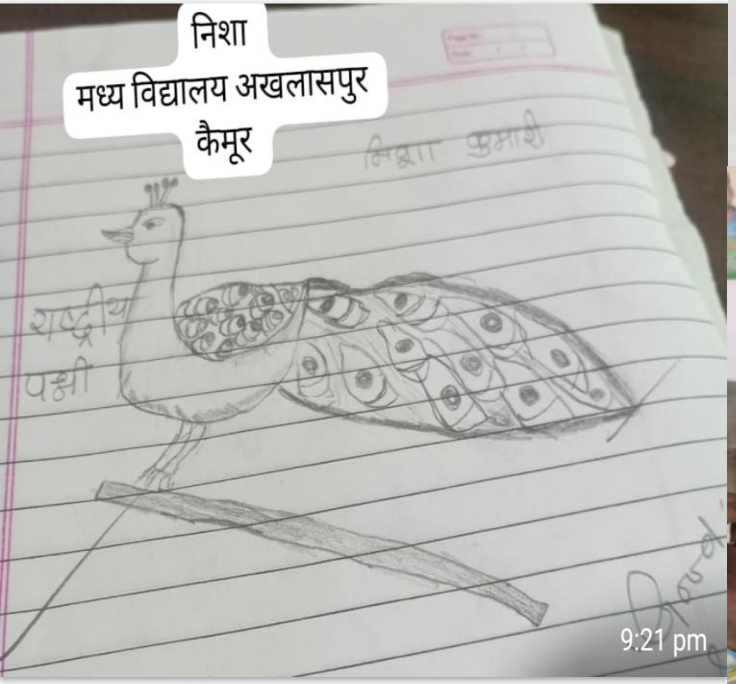

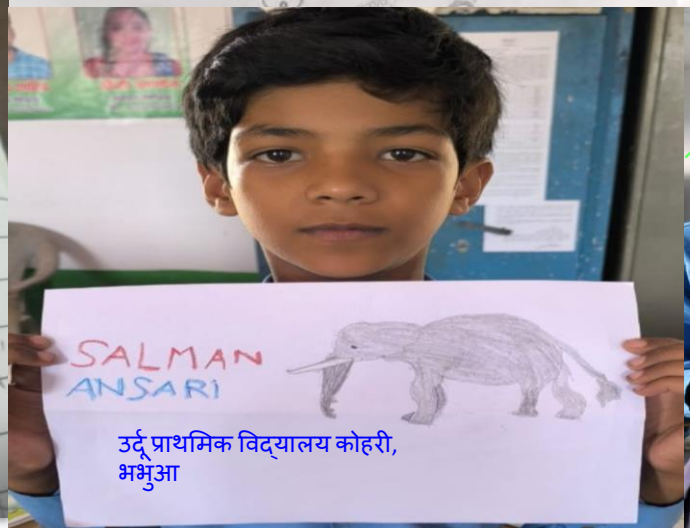

ToB बालमन क्विज

मई 2024

1

भारत के किस शहर को दक्कन की रानी भी कहते हैं?

A. पुणे B. 14 नागपुर

C. मैसूर D. चेन्नई

2

अठन्नी में कौन सा समास हैं ?

A. कर्मधारय B. तत्पुरुष

C. द्वंद D. द्विगु

3

बिहार मे लोकसभा की कितनी सीटें हैं?

A.32 B. 56

C. 40 D. 48

4

चार मीनार किस शहर में स्थित हैं?

A.हैदराबाद B. फैजाबाद

C. नई दिल्ली D. आगरा

5

"वेदों की ओर लौटो" नारा किसने दिया?

A.राजा राममोहन राय B. दयानंद सरस्वती

C. विनोबा भावे D. ईश्वर चंद्र विद्यासागर

सही उत्तर: 1.A ,2.D ,3.C,4.A,5.B

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम
(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: मई

प्रथम शनिवार दिनांक 04.05.2024	विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का सूत्रण
द्वितीय शनिवार दिनांक 11.05.2024	विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना का सूत्रण
तृतीय शनिवार दिनांक 18.05.2024	वज्रपात (ठनका) एवं चक्रवाती तूफान / आँधी से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी
चतुर्थ शनिवार दिनांक 25.05.2024	अगलगी, लू से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

सुरक्षित शनिवार

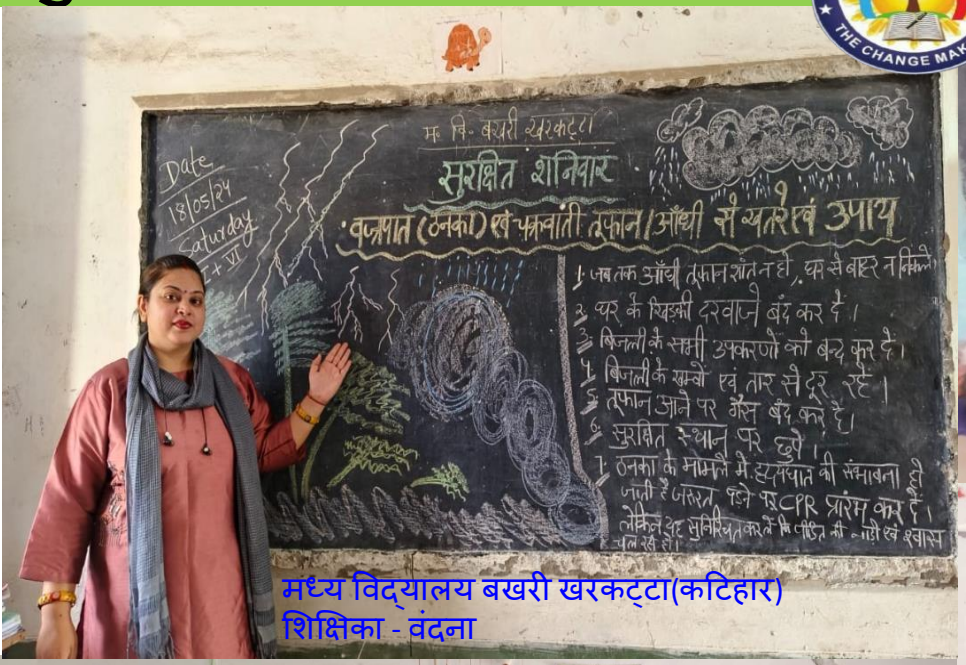

मध्य विद्यालय बखरी खरकट्टा(कटिहार)
शिक्षिका - वंदना

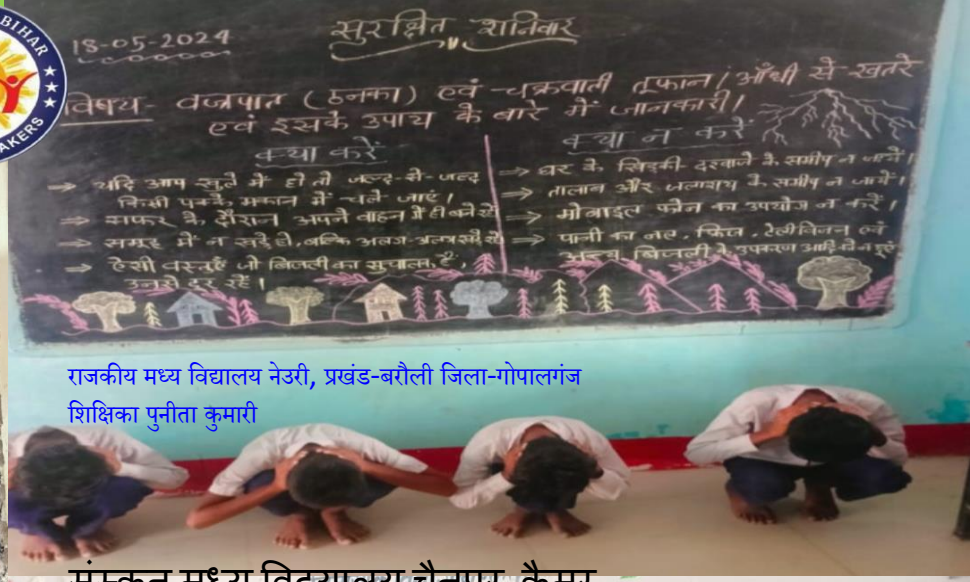

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, प्रखंड-बरौली जिला-गोपालगंज
शिक्षिका पुनीता कुमारी

संस्कृत मध्य विद्यालय चैनपुर, कैमूर
शिक्षिका नीतू नारायणी

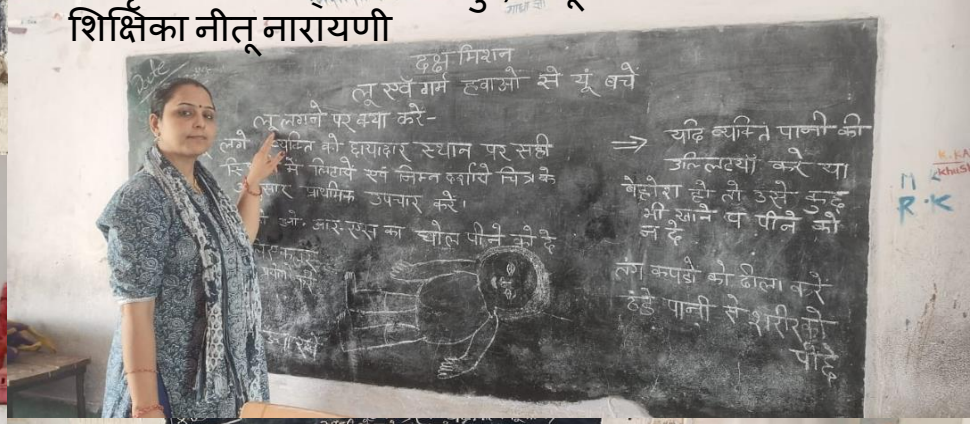

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर
शिक्षक धीरज कुमार

UMS कोटा , नआंव , कैमूर
शिक्षिका कामिनी कुमारी

Time: 18-05-2024 09:19
Note: Dhiraj Kumar

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

मई 2024

पर्यावरण बचाना है

सुखद भविष्य की कोरी
कल्पना कैसे करे हम
आओ हाथो से एक
पादप लगाये हम

लगाये वृक्ष ,नदी, तालाब
को मरने से बचायें
हरियाली को अपने
जीवन का लक्ष्य बनायें

करनी है रक्षा अपनी
और सारे विश्व की
हर हाल मे तो
ले संकल्प मिलकर

दुनिया को दिखायें
भारत मां की संस्कृति
हरेक वृक्ष मे भगवन
नदी में बस्ती मां गंगा है

बांधे रक्षासूत्र वृक्षों पर
करें नदियों की पूजा हम
सभी को जीना है
अगर खुशहाल रहना है।

चलो घर घर ये
संदेश पहुंचाना है
है सपूत माता भारती के
हमें पर्यावरण बचाना है

चंदना दत्त (शिक्षिका)
रांटी ,मधुबनी
बिहार

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

मई 2024

खेल-खेल में सीखें

एक दो तीन,
बच्चों बजाओ बिन।
चार पांच छे,
हम सब अच्छे ।।

सात आठ नव दस,
बोलो बच्चो बस।
ग्यारह बारह तेरह,
कभी मत करो कलह ।।

चौदह पंद्रह सोलह सत्रह,
सबसे करो आग्रह।
अठारह उन्नीस बीस,
कभी मत करो खीस ।।

अशोक कुमार
NPS भटवलिया नुआंव
कैमूर

ToB बालमन

दर्शनीय स्थल

मई 2024

भारत पर्यटन: राजदारी देवदारी झरना

उत्तर प्रदेश के नौगढ़ के जंगलों मे प्राकृतिक सुंदरता के बीच मौजूद राजदरी और देवदरी वॉटरफॉल चंदौली जिला मुख्यालय से तक़रीबन 55 किलोमीटर की दूरी पर सड़क मार्ग पर स्थित है । राजदरी और देवदरी झरना नौगढ़ तहसील मुख्यालय से तकरीबन 15 किलोमीटर पहले चकिया नौगढ़ मार्ग पर घने जंगलों के बीच में मौजूद है। राजदारी वॉटरफॉल से तकरीबन एक किलोमीटर की दूरी पर चंद्रप्रभा डैम है जिसका पानी राजदरी वॉटरफॉल में गिरता रहता है। राजदरी वॉटरफॉल के ठीक बगल में देवदरी वाटरफॉल मौजूद है। राजदारी और देवदारी वॉटरफॉल करीब 65 मीटर की ऊंचाई से गिरते हैं। इसे पूर्वांचल का कश्मीर या स्वर्ग कहा जाता है। चंद्रप्रभा सेंचुरी एरिया में स्थित राजदरी व देवदरी जल प्रपात की मनोरम छटा किसी से छुपी नहीं है। इसी का परिणाम है कि यहां सावन व भादों के महीने में कश्मीर व पहलगाम की सुषमा समेटे वादियों को निहारने के लिए पूर्वांचल समेत नीदरलैंड, हालैंड, स्वीटजरलैंड, जापान सहित अन्य परदेशी पर्यटक खुद ब खुद खींचे चले आते हैं।

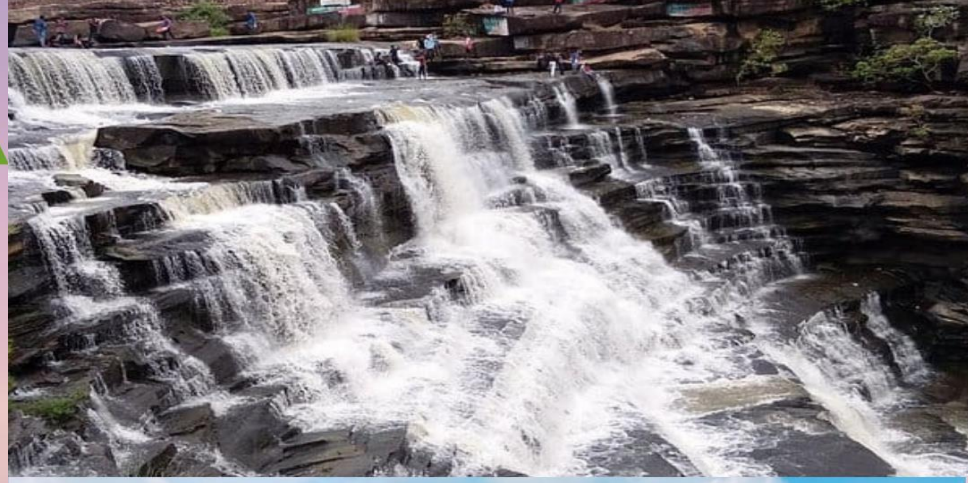

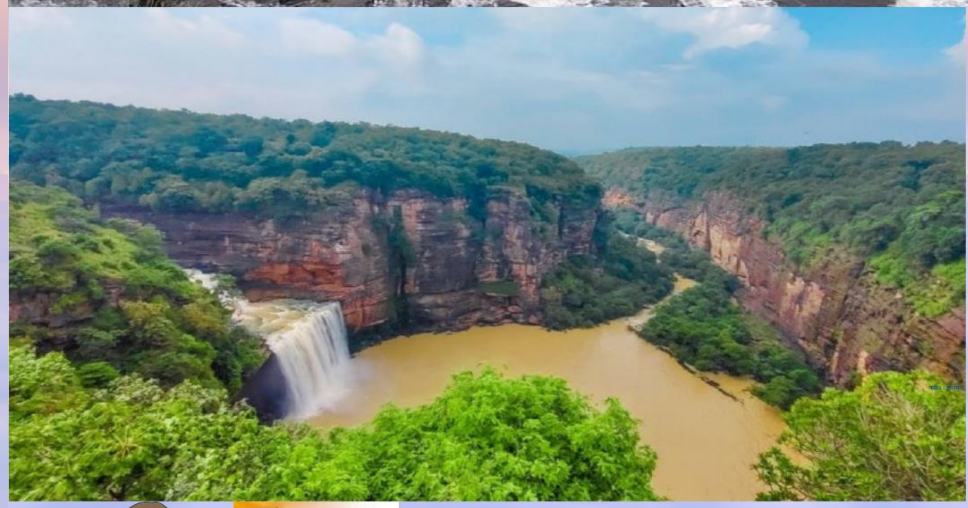

ToB बालमन कविता

गर्मी

गर्मी आई गर्मी आई
धूप पसीना लेकर आई।

सूरज सिर पर चढ़ आता है
अग्नि के बम बरसता है।

मुझे नहीं यह बिल्कुल भाई
गर्मी आई गर्मी आई।

चलो बर्फ के गोले खाए
ठेले से अंगूर ले आए।

मटके के ठंडे पानी संग
गर्मी को हम दूर भगाए।

ऋतु कुमारी
वर्ग 5
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
भभुआ (कैमूर)

राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम

लू से सावधानी बचाएं सबकी जान

प्रदेशवासियों से अपील है कि आप लू के प्रभाव को गंभीरता से लें, इससे बचाव हेतु आवश्यक सावधानी रखें और सुरक्षित रहें...

क्या करें :

- घर के बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी अवश्य पियें।
- सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें, टोपी/कपड़ा/छतरी का उपयोग करें।
- पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय पदार्थ जैसे - लस्सी, नींबू पानी, आम का पना इत्यादि का सेवन करें।
- भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकलें, धूप में अधिक न निकलें।

क्या न करें :

- धूप में खाली पेट न निकलें। शरीर में पानी की कमी न होने दें।
- मिर्च मसाले युक्त एवं बासी भोजन न करें।
- धूप में अधिक न निकलें। कूलर या ए०सी० से धूप में एकदम न निकलें।

लू के लक्षण :

- सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना एवं बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन, नब्ज असामान्य होना।

लू के लक्षण होने पर ध्यान रखें :

- व्यक्ति को छायादार जगह पर लिटावें। व्यक्ति के कपड़े ढीलें करें।
- उसे पेय पदार्थ कच्चे आम का पना आदि पिलायें।
- तापमान घटाने के लिये ठण्डे पानी की पट्टियाँ रखें।
- प्रभावित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें।

स्वास्थ्य विभाग

इस गर्मी हम मिलकर देंगे

स्वास्थ्य विभाग

चमकी की धमकी

ये 3 धमकियाँ याद रखो !

1 खिलाओ

बच्चे को रात में सोने से पहले भरपेट खाना ज़रूर खिलायें। यदि संभव हो तो कुछ मीठा भी खिलायें।

2 जगाओ

सुबह उठते ही बच्चों को भी जगाए देखो कहीं बेहोशी या चमकी तो नहीं

3 अस्पताल ले जाओ

बेहोशी या चमकी देखते ही आशा को सूचित कर तुरंत निःशुल्क 102 एम्बुलेंस या उपलब्ध वाहन से नजदीकी स्वस्थ केंद्र ले जायें

गर्मी का मौसम मतलब चमकी बुखार का डर। पर इस साल नहीं !
क्योंकि हम तैयार हैं। चमकी को एक नहीं 3 चोट मारेंगे।

अधिक जानकारी अथवा शिकायत दर्ज कराने के लिए निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर **104** (टॉल फ्री) पर संपर्क करें

निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा हेतु डॉयल करें- **102** (टॉल फ्री)

BiharHealthDepartment BiharHealthDept BiharGovtHealthDept

जीवन्त बिहार... सपना हो साकार

TEACHERS OF BIHAR

बालमन गीत

मई 2024

मतदान

आओ अब मिलकर अभियान करें हम
बढ़कर अब आगे मतदान करें हम
अपने अधिकारों का सम्मान करें हम
बढ़कर अब आगे मतदान करें हम
आओ जय गान करें हम
मिलकर मतदान करें हम

देश की है रीढ़ यही, लोकतंत्र का आधार है
क्रान्ति की है बीज यही, विकास का विचार है
अपनी शक्ति की अब पहचान करें हम
बढ़ कर अब आगे मतदान करें हम

ना हो कहीं भुखमरी, गरीबी ना हिंसा हो
हर तरफ हो खुशहाली, न्याय और अहिंसा हो
नवभारत का मिलकर अब निर्माण करें हम
बढ़ कर अब आगे मतदान करें हम

ना पैसों की लालच में ना धर्म जात के नाम पर
वोट हमारा अमूल्य है ना बिके किसी दाम पर
नई सोच का मिलकर अब आह्वाहन करें हम
बढ़कर अब आगे मतदान करें हम

रिजवाना यासमीन उर्फ चांदनी समर (शिक्षिका)
M.S DAUD CHAPRA MINAPUR MUZAFFARPUR,BIHAR

TEACHERS OF BIHAR

बालमन कविता

मई 2024

मेरी मां

तेरी प्यारी सूरत,
ममता की है मूरत,
तेरी गोद में मुझे मिलती है राहत,
तेरी मोहब्बत के सामने फिकी है सारी दौलत।

मेरी जन्म के बाद आपना जन्म दिन मनाना भूल गई,
मुझे सजाते संवारते खुद संवरना भुल गई,
मुझे सुलाते - सुलाते खुद सोना भुल गई,
मेरी खुशियों में शामिल हो कर
अपनी सारी गम भुल गई।

दुआ ये करते हैं हम सब ,
मेरी मां का उम्र दराज कर मेरे रब,
उसकी खिदमत करे त- उम्र हम सब,
उसकी दुआ सब कबूल करते है मेरे रब।

नाम- अक्स नाज (छात्रा)
कक्षा- 10
ठाकुरगंज (किशनगंज)
बिहार

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी सब्जियां

सेम

मुझमें कॉपर, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर, मोनोअनसैचुरैटेड फैट,vitB6, थायमिन और नियासीन पाया जाता है।

Anu priya

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन कविता

मई 2024

गुलाब

देखो ये सुंदर गुलाब
लाल लाल सुंदर गुलाब

कांटों से है भरा हुआ
अपनी रक्षा में तना हुआ
फिर भी मधुर सुंगधि से
ग़म गम पवन महका रहा

मेरा ये सुंदर गुलाब
लाल लाल सुंदर गुलाब

काटों में भी हंसते रहता
खुश रहने की सीख सिखाता
पंखुड़ियों से शीश नवाता
पुष्प गुलाब पुष्प गुलाब

मेरा ये सुंदर गुलाब
लाल लाल सुंदर गुलाब

शांति कुमारी (छात्रा)
वर्ग 8
UMS रांटी (मधुबनी)
बिहार

ToB रंगोली भाग 1

बालमन चांद से

मध्य विद्यालय ओदार, कैमूर

UHS
BHARARI,CHAND,KAI
MUR

UHS School Nuaon
DURGAWATI

ToB रंगोली भाग 2

UMS Basaha, chand

मध्य विद्यालय पाढ़ी, चांद, कैमूर

VOTE
FOR
NATION
UHS कोटा, नुआंव कैमूर

VOTE FOR
BETTER INDIA
बालमन द्वारा प्राप्त

बालमन द्वारा प्राप्त

बालमन द्वारा प्राप्त

ToB राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ओलम्पिक

सवाल - ओलंपिक खेलों की शुरुआत किस साल और कहां हुई थी?

जवाब- 1896 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक, जो आधिकारिक तौर पर पहले ओलंपिक के रूप में जाना जाता है. यूनान की राजधानी एथेंस में 6 अप्रैल से 15 अप्रैल 1896 के बीच यह बहु खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई थी.

सवाल- ओलंपिक के पांच रिंग का असली मतलब क्या है?

जवाब- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार, ये ओलंपिक रिंग खेल की सार्वभौमिकता को दर्शाते हैं. इन रिंग के जो रंग हैं, वह सभी देशों के राष्ट्राध्वज में दिखने वाले किसी न किसी रंग से मेल खाते हैं. ये पांच रिंग पांच पारंपरिक महाद्वीपों-अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप का प्रतिनिधित्व करते हैं.

ओलम्पिक खेलों पर जरूरी जानकारी Part-3

जिन शहरों में दो बार ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन किया गया है वे हैं **एथेंस (1896 और 2004), पेरिस (1900 और 1924) और लॉस एंजिल्स (1932 और 1984)**

जिस शहर मे तीन बार ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेल आयोजित किए गए हैं वह है लंदन **(1908, 1948 and 2012)**

ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों की अधिकतम बार मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका ने की है - **लॉस एंजिल्स (1932 और 1984), सेंट लुइस (1904) और अटलांटा (1996)**

एक ओलंपिक खेल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए, खेल को व्यापक रूप से कम से कम **75 देशों और चार महाद्वीपों** में पुरुषों द्वारा, और कम से कम **40 देशों और तीन महाद्वीपों** में महिलाओं द्वारा खेला जाना चाहिए ।

ToB बालमन

रोचक गणित

ABACUS [गिनतारा]

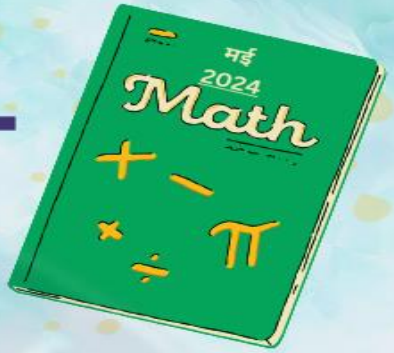

- अबेकस एक सदी पुराना गणित उपकरण है, जिसका उपयोग गणना के लिए किया जाता है।
- अबेकस का उत्पत्ति स्थान प्रमुख रूप से चीन को माना जाता है। चीनी अबेकस पर मूल रूप से लिखित दस्तावेज ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है।
- आधुनिक समय में, अबेकस एक मस्तिष्क विकास उपकरण साबित हुआ है जो छोटे बच्चों में मानसिक अंकगणितीय क्षमताओं को बढ़ाने में भी सहायता करता हैं ।
- "क्रैनमर अबेकस", जिसका आविष्कार टिम क्रैनमर ने किया था, का उपयोग अंधे लोग गणनाओं को आसान और सटीक बनाने के लिए करते हैं।
- आज हम जिन कंप्यूटरों का उपयोग करते हैं वे संख्याओं में हेरफेर करने के उद्देश्य से "बाइनरी एबेकस" का उपयोग करते हैं। ASCII कोड का उपयोग कंप्यूटर द्वारा बाइनरी भाषा में पढ़े जाने वाले चिह्न, प्रतीकों और संख्याओं आदि को पढ़ने के लिए किया जाता है।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

ToB चेतना सत्र

UMS अर्रा, मोहनियां, कैमूर

UHS भेकास, भभुआ, कैमूर

MIDDLE SCHOOL MADHURANI NORTH EAST
BLOCK-CHHATAPUR, DISTRICT-SUPAUL
★मध्य विद्यालय मधुबनी पूर्वोत्तर
★प्रखंड-छातापुर
★जिला- सुपौल

UHS नगर परिषद बगहा पश्चिम चंपारण

ToB SCIENCE TLM

पोषण (जैव प्रक्रम)

कक्षा 10

प्राणीसम पोषण

- प्राणीसम पोषण वह पोषण है जिसमें जीव ठोस आहार ग्रहण कर उसे पचाता है और उसका उपयोग करता है।
- इस प्रकार के पोषण में जीव पोषण के विभिन्न चरणों को संपादित करता है।

1. अंतर्ग्रहण
2. पाचन
3. अवशोषण
4. स्वांगीकरण
5. बहिष्करण

- वैसे जीव जो प्राणीसम पोषण करते हैं उन्हें प्राणीसमभोजी कहते हैं। इस प्रकार का पोषण सामान्यतः जंतुओं में पाया जाता है।
- यह अमीबा, गाय, भैंस, कुत्ता, हाथी, घोड़ा, मनुष्य, मेढ़क, पक्षी आदि जीवों में पाया जाता है।

Rajesh Kumar Singh

Class 9 Physics

वेग (Velocity)

किसी गतिमान वस्तु के विस्थापन की दर को या एक निश्चित दिशा में प्रति सेकंड वस्तु द्वारा तय की दूरी को वेग (velocity) कहते हैं।

$$\text{वेग} = \frac{\text{विस्थापन}}{\text{समय}}$$

- ★ वेग का SI मात्रक मीटर/सेकंड है ।
- ★ वेग सदिश राशि है ।

किसी वस्तु का वेग इकाई समय में वस्तु का विस्थापन है

www.teachersofbihar. org

Pratibha Pandey

ToB बालमंच भाग 1

सानवी वाराणसी

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

स्वराक्षी स्वरा
06/05/24
खगड़िया

MOTHER
DAY

Thumb printing
prahill Agrawal Varanasi

खगड़िया

ToB बालमंच भाग 2

UMS BHATGAON-01,
THAKURGANJ
(KISHANGANJ)

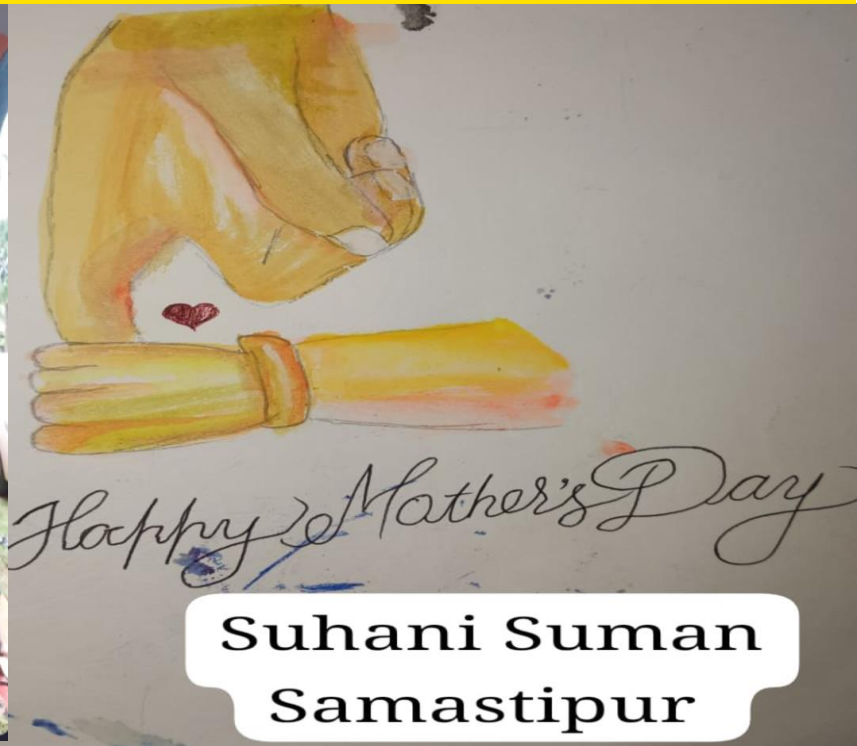
Happy Mother's Day
Suhani Suman
Samastipur

ToB बालमन शिक्षण अधिगम सामग्री (मई 2024)

*** TLM का नाम और विवरण:-** पाशा का तमाशा।यह दवाई के खाली डिब्बे से बनाया गया घन के आकार का एक TLM है, जिसके उपर अलग अलग संख्या में बिन्दी बनाई गई है।

*** वर्ग कक्ष/वर्ग कक्षों का विवरण जिसके लिए TLM उपयुक्त है:-** कक्षा 1 एवं 2

*** अधिगम प्रतिफल का विवरण जिससे TLM संबंधित है:-** इसके अधिगम प्रतिफल निम्नांकित हैं-

1. बच्चे 1से 9 तक की संख्याओं को गीनते और समझते हैं।
2. बच्चे 1से 9 तक की संख्याओं को संख्यांक में लिखते हैं।
3. बच्चे एक अंक की संख्याओं का जोड़, घटाव एवं गुणा करते हैं।

*** TLM को इस्तेमाल करने के तरीके:-** सबसे पहले बच्चों को फर्श पर गोलाई में बैठा दिया जाता है। फिर एक बच्चा को दो घनाकार TLM फर्श पर फेंकने के लिए कहा जाता है। TLM के ऊपरी भाग में जो संख्याएं दिखाई देती हैं,उन संख्याओं से बच्चे के अधिगम स्तर के अनुसार कई तरह के प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

*** TLM के लिए आवश्यक सामग्री :-** दवाई का डब्बा, गोंद आदि।

*** अन्य महत्वपूर्ण जानकारी जो आवश्यक हो:-** कुछ विशेष नहीं।

धन्यवाद।

TLM। निर्माणकर्ता

नाम:- अवधेश राम
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा
प्रखंड:- भभुआ
जिला:- कैमूर
whatsapp no. :- 8581943379
email id:- awadheshram54@gmail.com

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

निशुल्क टाई, बेल्ट और आई कार्ड वितरण(UHS मीव, भभुआ, कैमूर)

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

प्राथमिक विद्यालय रामपुर, भभुआ, कैमूर

साइंस लैब में शिक्षक संग जानकारी प्राप्त करते UHS कोटा नुआंव, कैमूर की बच्चियां

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

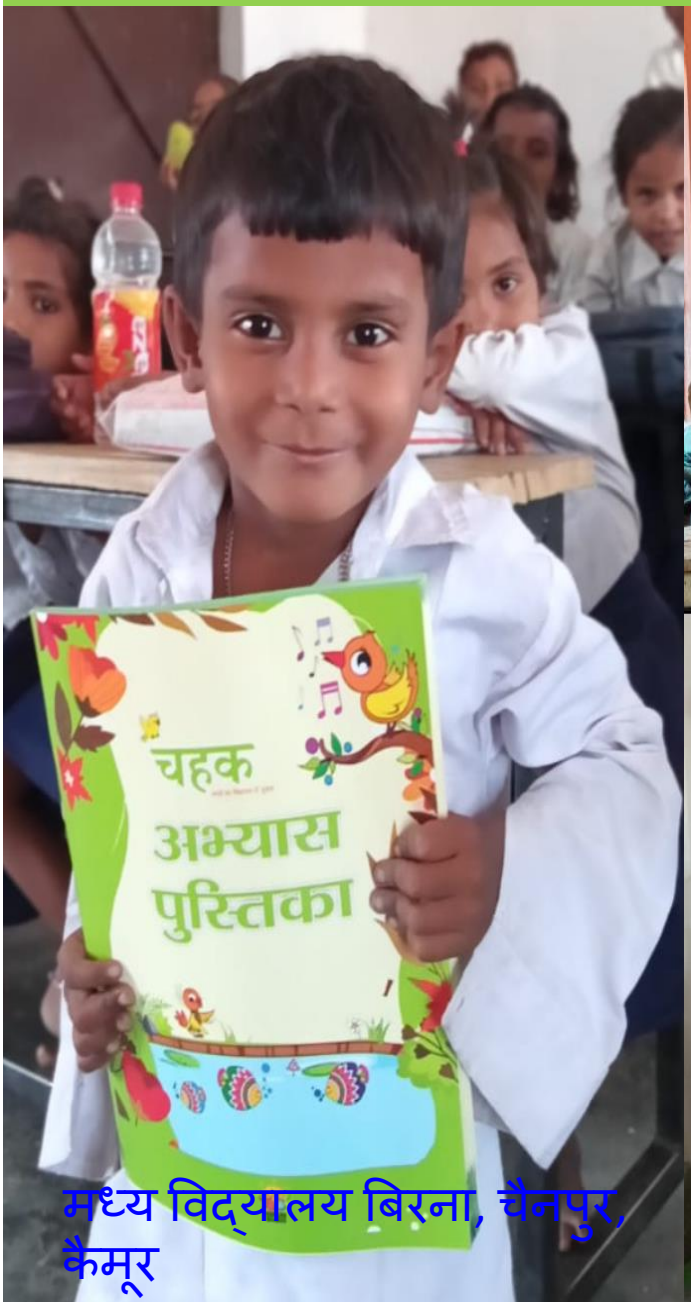

मध्य विद्यालय बिरना, चैनपुर, कैमूर

मतदाता जागरूकता हेतु कार्यक्रम
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुधरा, भभुआ, कैमूर

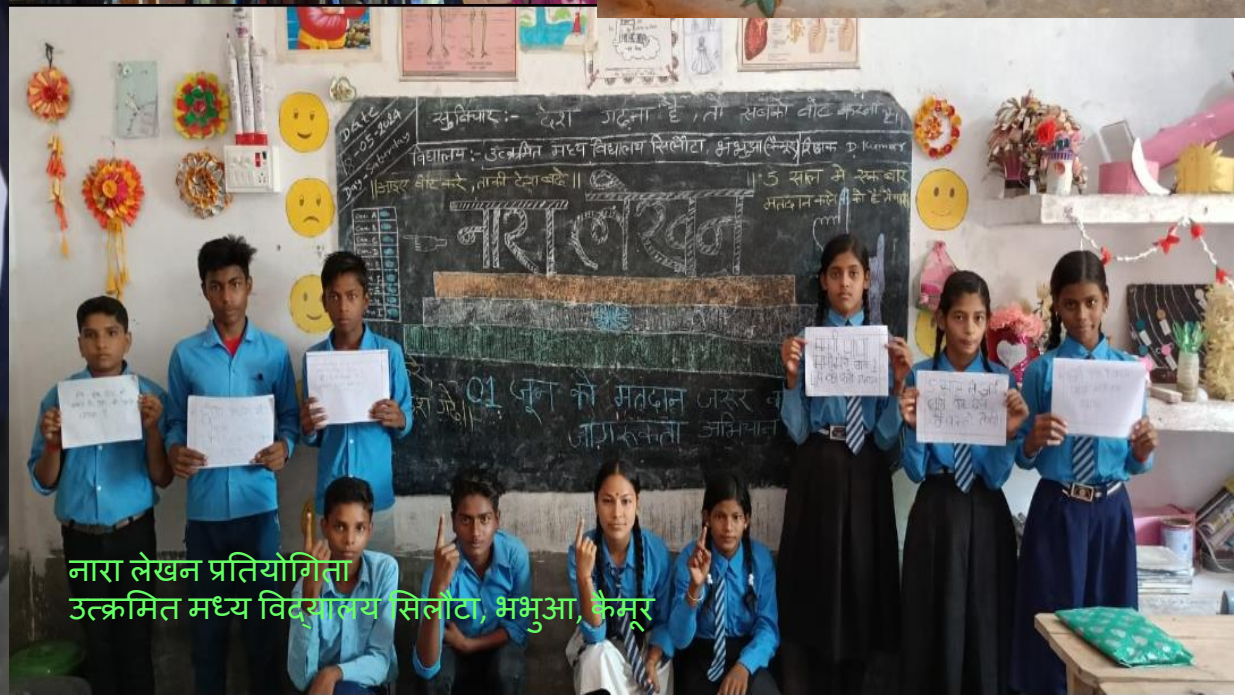

नारा लेखन प्रतियोगिता
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ, कैमूर

फोटो ऑफ द मंथ भाग 4

राजकीय कन्या मध्य विद्यालय कुचायकोट, गोपालगंज
मतदाता जागरूकता

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, धमुआ, कैमूर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय कोहारी, कैमूर
चहक

जयंती विशेष 12 मई

राकेश कुमार

फ्लोरेंस नाइटिंगेल

फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल *Florence Nightingale*, जन्म- 12 मई, 1820; मृत्यु- 13 अगस्त, 1910) 'आधुनिक नर्सिंग आन्दोलन की जन्मदाता' मानी जाती हैं। प्रेम, दया व सेवा-भावना की प्रतिमूर्ति फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल "द लेडी विद द लैंप" (दीपक वाली महिला) के नाम से प्रसिद्ध हैं। हर वर्ष 12 मई को फ़्लोरेन्स नाइटिंगेल की जयंती पर अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन किया जाता है।

Teachers of Bihar
The change makers

बुद्ध पूर्णिमा विशेष 23 मई

राकेश कुमार

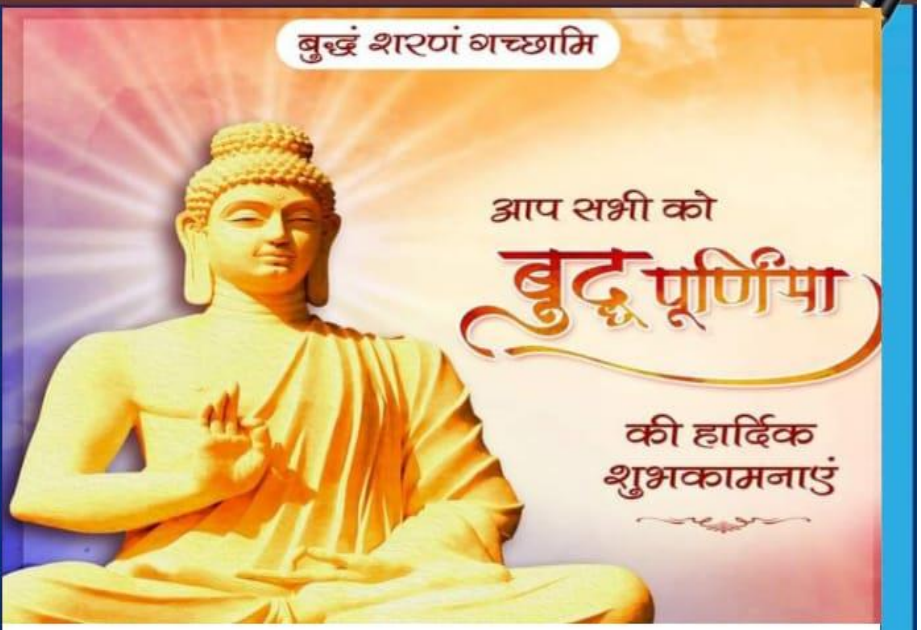

बुद्ध पूर्णिमा वैशाख मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है। इसे 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। यह बौद्ध धर्म में आस्था रखने वालों का एक प्रमुख त्यौहार है। पूर्णिमा के दिन ही गौतम बुद्ध का स्वर्गारोहण समारोह भी मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान बुद्ध को 'बुद्धत्व' की प्राप्ति हुई थी। आज बौद्ध धर्म को मानने वाले विश्व में 50 करोड़ से अधिक लोग इस दिन को बड़ी धूमधाम से मनाते हैं। बुद्ध पूर्णिमा के दिन दान-पुण्य और धर्म-कर्म के अनेक कार्य किए जाते हैं। यह स्नान लाभ की दृष्टि से अंतिम पर्व है। इस दिन मिष्ठान, सत्तू, जलपात्र, वस्त्र दान करने तथा पितरों का तर्पण करने से बहुत पुण्य की प्राप्ति होती है।

शिक्षा शब्दकोश

वैदिक गणित

वैदिक गणित गणना की ऐसी पद्धति है, जिससे जटिल अंकगणितीय गणनाएं अत्यंत ही सरल, सहज व त्वरित संभव हैं। स्वामीजी ने इसका प्रणयन बीसवीं सदी के आरम्भिक दिनों में किया। स्वामीजी के कथन के अनुसार वे सूत्र, जिन पर 'वैदिक गणित' नामक उनकी कृति आधारित है, अथर्ववेद के परिशिष्ट में आते हैं।

News coverage

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org